सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 336 | इंदौर, मंगलवार 23 जून, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

कतर की एलएनजी फैक्ट्री में भीषण धमाका

● 12 भारतीयों समेत 13 लोगों की मौत, 66 घायल

नई दिल्ली, (एजेंसी) कतर के रास लफ्फान LNG कॉम्प्लेक्स में हुए भीषण धमाके में 13 लोगों की मौत हुई है जिनमें भारतीयों की संख्या 12 बताई जा रही है. वहीं, इस हादसे में 66 लोग घायल हुए हैं. भारतीय दूतावास ने भी इस घटना पर चिंता जताई है. कतर के अधिकारियों ने इस घटना को बरजान लोकल गैस सप्लाई फैसिलिटी में हुआ एक टेक्निकल एक्सीडेंट बताया है. यह सुविधा देश के सबसे बड़े LNG प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट हब रास लफ्फान इंडस्ट्रियल सिटी का हिस्सा है. कतर के एनर्जी मंत्रालय ने बताया कि हादसे में 13 लोगों की मौत हुई है. दोहा स्थित भारतीय दूतावास ने इस हादसे पर गहरी चिंता जताई है. दूतावास ने कहा कि कई लोग घायल हुए हैं और कुछ लोगों के लापता होने की भी जानकारी सामने आई है. कतर के एनर्जी मिनिस्टर साद शेरिदा अल-काबी ने सोमवार को दोहा में मृतकों की संख्या की पुष्टि करते हुए इंडस्ट्रियल हादसा बताया. ईरान के होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण के बाद कतर ने अपना प्रोडक्शन को रोक दिया था. इसका असर ग्लोबल एनर्जी मार्केट पर पड़ा था. कतर अपने क्लाइंट्स को LNG शिपमेंट नहीं भेज पा रहा था. युद्ध को खत्म करने के लिए बातचीत शुरू होने और ईरान की पकड़ कमजोर होने के बाद एक्सपोर्ट टर्मिनल शुरू करने की कोशिश की जा रही थी. सरकारी कंपनी कतरएनर्जी के मुताबिक, रविवार रात बरजान गैस सप्लाई फैसिलिटी में काम के दौरान धमाका हुआ. इसके बाद आग लग गई. कतर दुनिया के सबसे बड़े नैचुरल गैस प्रोड्यूसर देशों में शामिल है. ऐसे में रास लफ्फान जैसे बड़े LNG हब में हुई यह घटना ग्लोबल एनर्जी सप्लाई को लेकर नई चिंता पैदा कर रही है.

राम मंदिर में चढ़ावा गिनने वाले कर्मियों के लिए नया ड्रेस कोड, वर्दी में नहीं होंगे पॉकेट

अयोध्या, (एजेंसी) यूपी के अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण की SIT जांच के बीच अनुबंध का कड़ाई से अनुपालन हो रहा है। वहीं, जांच के दायरे में आए कर्मचारियों को कार्यमुक्त करने के साथ ही बैंक प्रबंधन ने गणना कर्मियों के लिए सख्त ड्रेस कोड लागू कर दिया है। अब कर्मियों को बिना जेब वाली वर्दी पहननी होगी। राममंदिर भवन निर्माण समिति चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र ने एक टीवी इंटरव्यू में सीधे तौर पर बैंक प्रबंधन को जिम्मेदार बताया था। उनका कहना था कि जब बैंक के साथ अनुबंध में साफ-साफ नियम बनाए गए तो गणना कर्मियों ने अनदेखी क्यों की। बताया जाता है कि बड़े क्लाइंट की वजह से बैंक ने बनारस की आउटसोर्सिंग करने वाली कंपनी से श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र को कर्मचारी उपलब्ध कराए गए। उनके सैलरी भी उसी कंपनी के जरिए दिलवाए गए। सूत्रों की मानें तो 90 फीसदी नियुक्तियां ट्रस्ट पदाधिकारियों ने प्रभाव का इस्तेमाल कर करवाए।

विधायक निधि से सार्वजनिक स्थलों पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

15 अगस्त को जिला मुख्यालय पर विकास कार्यों की जानकारी देंगे प्रभारी मंत्री

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इस साल स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) पर जिला मुख्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों में प्रभारी मंत्री अपने-अपने जिलों में हुए विकास कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों की जानकारी देंगे। यह प्रस्तुतीकरण एक तरह से विकास कार्यों के सोशल ऑडिट जैसा होगा।

मुख्यमंत्री मंत्रालय में योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला विकास समितियों की भूमिका विकास गतिविधियों में और अधिक प्रभावी बनाई जाए। साथ ही निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए भी समितियां सक्रिय प्रयास करें।

भोपाल में होगा जिला विकास समितियों का सम्मेलन

बैठक में यह भी तय किया गया कि जिला विकास समितियों का एक बड़ा सम्मेलन भोपाल में आयोजित किया जाएगा। इसमें जिलों के विकास से जुड़े मुद्दों और योजनाओं की समीक्षा की जाएगी।

सीसीटीवी और ईको-फ्रेंडली निर्माण को बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने विधानसभा क्षेत्र विकास योजना के तहत सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और किफायती आवासों के निर्माण में पर्यावरण अनुकूल भवन निर्माण सामग्री के उपयोग को

प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने राज्य के विभागवार, संभागवार और जिलावार सांख्यिकी आंकड़ों को एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने की भी बात कही, ताकि योजनाओं की निगरानी और समीक्षा बेहतर ढंग से की जा सके।

विश्राम घाट पर ही हो मृत्यु पंजीयन

जन्म और मृत्यु पंजीकरण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विश्राम घाटों पर ही मृत्यु पंजीयन की सुविधा शुरू करने के लिए कार्ययोजना बनाई जाए। इससे ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों के लोगों को मृत्यु प्रमाण-पत्र प्राप्त करने में आसानी होगी।

जिलों के लिए अलग-अलग विकास सूचकांक

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलों के विकास सूचकांक स्थानीय परिस्थितियों और जरूरतों के अनुसार तय किए जाएं। औद्योगिक, कृषि प्रधान और वन क्षेत्रों वाले जिलों के लिए अलग-अलग विकास मानक बनाए जाने चाहिए।

प्राकृतिक खेती और ग्रामीण आवास पर जोर

डॉ. यादव ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, ग्रामीण क्षेत्रों में मकान बनाने वालों को तकनीकी मार्गदर्शन देने और उपयुक्त निर्माण सामग्री के बारे में जागरूकता बढ़ाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं में नवाचार और बेहतर कार्य करने वालों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

इन्दौरी मालवी आलू को भौगोलिक संकेतक टैग मिलने के बाद निर्यात को मिला बढ़ावा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर संभाग सहित इन्दौर जिले में रबी मौसम में सर्वाधिक क्षेत्रफल में बोई जाने वाली और एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) में चयनित उद्यानिकी फसल इन्दौरी मालवी आलू को अब राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान मिल गई है। भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्राप्त होने से इन्दौरी मालवी आलू को अब निर्यात के क्षेत्र में बढ़ावा मिला है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से प्रदेश स्तर पर सभी जिलों में स्थानीय स्तर पर विशिष्ट उत्पादों को चिन्हित कर उन्हें जीआई टैग दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करने के निर्देश दिये गये। इसी क्रम में शासन-प्रशासन के विशेष प्रयासों के चलते यह परिणाम हमारे सामने आया है। वर्तमान में जिले में लगभग 45 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में आलू का उत्पादन किया जा रहा है, इसकी खेती से लगभग प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से 30 से 35 हजार किसान जुड़े हुए है, जीआई टैग मिलने के बाद से आलू फसल के उत्पादन क्षेत्र में वृद्धि और निर्यात को बढ़ावा मिलने से बेहतर मूल्य मिलने से किसानों की आय बढ़ने की संभावना बढ़ेगी।

उप संचालक उद्यान श्री त्रिलोकचंद्र वास्कले द्वारा बताया गया कि इन्दौर जिले की विशिष्ट जलवायु, उपजाऊ मिट्टी और किसानों की उन्नत तकनीकी खेती से आलू उत्पाद को खास पहचान दिलाई है। इन्दौरी मालवी आलू में कम चीनी और स्टार्च के कारण इनके चिप्स और फ्रेंच प्राईस तलने पर काले और लाल नहीं होता है। शर्करा की मात्रा कम होने से आलू चिप्स को तलने पर चिप्स का रंग सफेद बना रहता है। साथ ही स्वाद में एक विशिष्ट पहचाने के कारण देशभर में पहचान रखती है। अपने अनोखे स्वाद और पहचान के कारण कई कम्पनियां जैसे आईटीसी, महिन्द्रा, पेप्सिको, इस्कॉन बालाजी, मकेन्श, हायफन सीड्स इत्यादि सीधे तौर पर कृषकों से जुड़कर प्रसंस्करण योग्य आलू फसल के बीज प्राप्त करवाकर कृषकों से उचित मूल्य पर उत्पाद क्रय करते है। इन्दौर जिले के मालवी आलू की विशिष्टता के कारण ही कई बड़ी औद्योगिकी कम्पनियां खाद्य प्रसंस्करण इकाईयां जैसे- बालाजी, यलो डायमंड, पारले, हल्दीराम एवं लेयस आदि द्वारा आलू आधारित चिप्स, वेफर्स, फ्रेंच फाईस आदि उत्पाद तैयार किए जा रहे है। स्थानीय स्तर पर विकासखंड महू के ग्राम कोदरिया एवं आसापास के क्षेत्र में आलू से आधारित लगभग 250 से 300 सीजनल प्रसंस्करण इकाईयां संचालित की जाती है, जिसमें आलू चिप्स, स्टार्च, वेफर्स, पाउडर, फ्रेंच फाईस आदि बनाने का कार्य किया जाता है।

इन्दौरी मालवी आलू अपने बेहतरीन गुणवत्ता स्वाद और विशेषकर शुगर फ्री प्रजातियों के लिए देश-विदेश में प्रसिद्ध है, यह मध्यप्रदेश की 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना का प्रमुख हिस्सा है, इसके अलावा इन्दौरी आलू का इस्तेमाल शहर के मशहूर स्ट्रीट फूड्स में दिल खोलकर किया जाता है, इससे बनने वाले लोकप्रिय व्यंजन आलू चाट और पोहा, आलू बडा, आलू कचौडी, खोपरा पेटीस महत्वपूर्ण है, आलू पोषक तत्वों का बेहतरीन स्रोत है इसे दुनिया की दूसरी रोटी कहा जाता है, इसमें कार्बोहाईडेट (स्टार्च के रूप में) मुख्य ऊर्जा प्रदान करते है, इसके अलावा आलू विटामिन C और B6 का एक अच्छा भंडार है जो इम्यूनिटी और नर्वस सिस्टम के लिए फायदेमंद है इसमें पोटेशियम और फाइबर्स भी पाये जाते है इसके अतिरिक्त अन्य खनिज मैंगनीज, फास्फोरस, मैग्नीशियम और आयरन की भी थोड़ी मात्रा पाई जाती है। जीआई टैग मिलने से इन्दौर आलू की ब्राण्ड वैल्यू बढ़ेगी और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में इनकी मांग बढ़ने की संभावना है, इसमें किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिल सकेगा और निर्यात के नए अवसर भी खुलेंगे। इन्दौर की विशिष्ट जलवायु उपजाऊ मिट्टी और अत्याधुनिक खेती पद्धतियों से आलू को खास पहचान दिलाई है, जिसे अब जीआई टैग के रूप में मान्यता मिल गई है। यह उपलब्धि जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जनप्रतिनिधियों, किसानों, वैज्ञानिकों और उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

सीएम हेल्पलाइन और जनसेवाओं पर विशेष फोकस रखने के लिए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने अधिकारियों को दिए निर्देश

सीएम हेल्पलाइन के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने वाले चार अधिकारियों को जारी किए गए शोकाज नोटिस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज यहां समय-सीमा पत्रों (टीएल) की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति, लंबित प्रकरणों और शासन की प्राथमिकताओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्री रिंकेश वैश्य तथा अपर आयुक्त नगर निगम श्री आकाश सिंह, श्री प्रखर सिंह तथा श्री एन.एन. पांडे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार शासन की प्राथमिकताओं को केंद्र में रखकर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सीएम हेल्पलाइन में जिले की रैंकिंग लगातार सुधर रही है और सभी विभागों द्वारा बेहतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण समय-सीमा में सुनिश्चित किया जाए। लापरवाही बरतने वाले चार अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं तथा भविष्य में भी उदासीनता पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। आज जिन अधिकारियों को नोटिस जारी किए गए हैं उनमें उपसंचालक कृषि, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री, सामाजिक न्याय विभाग के संयुक्त संचालक और सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग शामिल है।

बैठक में श्री शिवम वर्मा ने जिले में फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को भवनों के निरीक्षण और आवश्यक कार्रवाई की गति तेज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जन सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि जिले में अब तक 70 से अधिक भवनों को निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने पर सील किया जा चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन का उद्देश्य भवनों को सील करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक भवन में पर्याप्त फायर सेफ्टी उपकरण उपलब्ध हों और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की समुचित तैयारियां रहें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्पतालों, स्कूलों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और बहुमंजिला भवनों में फायर सेफ्टी मानकों का विशेष रूप से परीक्षण किया जाए। साथ ही भवन संचालकों को सुरक्षा नियमों के पालन के प्रति जागरूक करते हुए आवश्यक सुधार शीघ्र कराने के लिए कहा गया है।

कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा के लिए यह अभियान निरंतर जारी रहेगा और जहां भी नियमों की अनदेखी मिलेगी, वहां नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तालाब निर्माण, गहरीकरण एवं कैचमेंट चैनलों की सफाई की समीक्षा भी की गई। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए।

बैठक में समान नागरिक संहिता (UCC) के संबंध में आमजन से सुझाव और फीडबैक देने की अपील भी की गई। कलेक्टर श्री वर्मा ने नागरिकों से शासन द्वारा बनाए गए पोर्टल पर अपने सुझाव दर्ज कराने का आग्रह किया।

बैठक में बताया गया कि नागरिक सेवाओं को और सरल बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा एक नए चैटबॉट का ट्रायल वर्जन शुरू किया गया है। इस चैटबॉट के माध्यम से फिलहाल मूल निवासी, आय एवं जाति प्रमाण पत्र जैसी सेवाओं के लिए घर बैठे आवेदन किया जा सकेगा। कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि भविष्य में इसमें और भी सेवाएं जोड़ी जाएंगी, जिससे नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

बैठक में शहर के निर्माणाधीन फ्लाईओवर कार्यों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि बाधक संरचनाओं को हटाने की कार्रवाई की जा रही है, जिससे निर्माण कार्य में तेजी लाई जा सके।

कलेक्टर ने युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण से जोड़ने के दिए निर्देश

जिला कौशल विकास समिति की बैठक संपन्न

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय में जिला कौशल विकास समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के शासकीय आईटीआई में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं पाठ्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि वर्तमान समय की मांग और औद्योगिक संस्थानों की आवश्यकताओं के अनुरूप युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि उन्हें बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें। उन्होंने कहा कि कौशल विकास का उद्देश्य केवल प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि युवाओं को रोजगार से जोड़ना भी है। कलेक्टर श्री वर्मा ने युवाओं से शासकीय आईटीआई में संचालित आधुनिक एवं रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि आईटीआई के माध्यम से युवाओं को तकनीकी दक्षता प्राप्त होती है, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन द्वारा प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद प्लेसमेंट और विभिन्न कंपनियों के साथ समन्वय स्थापित कर युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार, रिंकेश वैश्य तथा अपर आयुक्त नगर निगम आकाश सिंह, प्रखर सिंह तथा एन.एन. पांडे सहित कौशल विकास से जुड़े विभागीय अधिकारी एवं संबंधित संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मानसून पूर्व तैयारियों में जुटा एमपीआईडीसी

औद्योगिक क्षेत्रों में जलभराव रोकने एवं वृक्षारोपण हेतु विशेष अभियान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मानसून के मद्देनजर मध्यप्रदेश इण्डस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा सभी औद्योगिक क्षेत्रों जैसे कि पीथमपुर सेक्टर-1 से 6, एस.ई. जेड़, स्मार्ट इण्डस्ट्रीयल पार्क, मेघनगर, निमरानी, जेतापुर, हातोद आदि में व्यापक स्तर पर पूर्व तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। वर्षा के दौरान जलभराव की समस्या से बचाव एवं सुचारु जल निकासी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में स्टॉर्म वॉटर ड्रेनों की सफाई हेतु विशेष टीमें तैनात की गई हैं। इस कार्य के लिए लगभग रूपये 70 लाख का बजट आवंटित किया गया है। साथ ही एमपीआईडीसी रिक्त भूमि का चयन कर रहा है, जो कि वर्षा ऋतु में उद्योगों को वृक्षारोपण हेतु अस्थाई रूप से प्रदान की जायेगी।

एमपीआईडीसी द्वारा मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को भी पत्र जारी कर मानसून पूर्व विद्युत लाइनों एवं संबंधित अधोसंरचना का आवश्यक रखरखाव सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है, ताकि औद्योगिक क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनी रहे तथा विद्युत सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

ड्रेनों में कचरा फेंककर जल निकासी बाधित करने के मामलों में सख्ती बरतते हुए एमपीआईडीसी ने तीन उद्योग संचालकों को नोटिस जारी किए हैं। निगम द्वारा स्पष्ट किया गया है कि इस प्रकार की गतिविधियां जलभराव एवं पर्यावरणीय समस्याओं का कारण बनती हैं तथा इनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक श्री हिमांशु प्रजापति ने सभी उद्योगों से अपील की है कि ड्रेनों की सफाई के उपरांत उनमें किसी भी प्रकार का कचरा या अपशिष्ट न डालें तथा जल प्रवाह में आने वाली बाधाओं को स्वयं भी हटाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने के लिए उद्योगों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है तथा सभी के सामूहिक प्रयासों से मानसून के दौरान बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकेगी। उद्योग एमपीआईडीसी में आवेदन प्रस्तुत कर वृक्षारोपण हेतु अस्थाई भूमि प्राप्त कर सकते है जो कि नियमानुसार कार्यकारी संचालक द्वारा आवंटित की जायेगी।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कलेक्टर कार्यालय के सामने स्थित निर्वाचन भवन में स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्ट्रांग रूम में रखी गई ईवीएम मशीनों की व्यवस्था को देखा। साथ ही उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी भी ली। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार सहित अन्य अधिकारी एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

हम काफिर हैं, तो हमारी बनाई सड़क पर मत चलो : मंत्री विजयवर्गीय

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपने विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान दिए गए एक बयान को लेकर राजनीतिक चर्चा छेड़ दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बिना भेदभाव के सभी के लिए काम करती है, लेकिन यदि कोई कहता है कि वह भाजपा को वोट नहीं देता, तो उसे सरकार द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों और योजनाओं का लाभ भी नहीं लेना चाहिए।

विजयवर्गीय ने अपने विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान कहा कि जिस मोहल्ले में सड़क का निर्माण कराया जा रहा है, वहां हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदाय के लोग रहते हैं। उन्होंने कहा कि कई मुस्लिम कार्यकर्ता उनसे कहते हैं कि वे भाजपा को वोट नहीं देते। इस पर विजयवर्गीय ने कहा कि यदि आप भाजपा को वोट नहीं देते हैं तो फिर हम जो सड़क बना रहे हैं, उस पर मत चलना। आपके घर लाड़ली लक्ष्मी योजना और लाड़ली बहना योजना का पैसा आ रहा है तो उसे भी मत लेना। हालांकि इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा किसी भी वर्ग के साथ भेदभाव नहीं करती। पार्टी और सरकार 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के सिद्धांत पर काम करती है। उन्होंने कहा कि लोग भाजपा को वोट दें तो पार्टी और अधिक समर्पण के साथ काम करेगी लेकिन वोट न देने पर भी विकास कार्य जारी रहेंगे। विजयवर्गीय ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य तेज गति से चल रहे हैं। सड़कों का चौड़ीकरण किया जा रहा है और पेयजल व सीवरेज नेटवर्क का विस्तार भी किया जा रहा है। उन्होंने चंदन नगर क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-1 में करीब पौने दो करोड़ रुपये की लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। कार्यक्रम में भाजपा के कई नेता और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इसके अलावा मंत्री विजयवर्गीय ने शहर में जल वितरण करने वाले नगर निगम के टैंकर चालकों का सम्मान भी किया। वहीं विधानसभा क्रमांक-1 की आंगनवाड़ियों में सांसद निधि से बोरिंग और फर्नीचर उपलब्ध कराने के कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने एक बच्ची का जन्मदिन भी मनाया।

● आबकारी विभाग इन्दौर की बड़ी कार्रवाई

कुल अनुमानित बाजार मूल्य 4 लाख 39 हजार रुपये की अवैध मदिरा एवं चार पहिया वाहन जब्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार तथा कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी एवं डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल के नेतृत्व में वृत्त महू ब प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री पवन टीकेकर एवं टीम के द्वारा अवैध शराब जप्ती की कार्यवाही की गई। विश्वासनीय मुखबीर की सूचना के आधार पर गत दिवस भेंसलाय पीथमपुर मार्ग के ग्राम भैंसलाय के पास वाहन क्रमांक एमपी 09-सीजे-9152 सफेद रंग मारूती सुजुकी डिजार कार को रोकने की कोशिश करने पर ड्राईवर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। उक्त गाड़ी की तलाशी लेने पर गत्ते के कुल 12 कार्टून्स में देशी प्लेन मदिरा पायी गई। प्रत्येक कार्टून में 50-50 नग देशी प्लेन रखे पाये थे। इस प्रकार कुल 180 बल्क लीटर देशी प्लेन मदिरा अवैध रूप से परिवहन कर ले जाई जा रही थी। जिसे विधिवत कब्जे में लेकर आबकारी अधिनियम 1915 की विभिन्न धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। जप्त मदिरा एवं वाहन का कुल बाजार मूल्य 4 लाख 39 हजार रूपये हैं।

अनिका का जीवन बचाने के लिए अब हाईकोर्ट सख्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मासूम अनिका, जो स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए टाइप-2) जैसी दुर्लभ और गंभीर बीमारी से जूझ रही है, उसके इलाज को लेकर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। उसे जीवनरक्षक इलाज के लिए करोड़ों रुपए की आवश्यकता और लगातार बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति के बीच कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार से स्पष्ट जवाब मांगा है। सोमवार को इंदौर बेंच में हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने बच्ची के जीवन को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए दोनों सरकारों के वकीलों को मामले में विस्तृत लिखित जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। अगली सुनवाई अब 30 जून को होगी। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता कुशल गोयल और केंद्र सरकार की ओर से अधिवक्ता अनुज भार्गव उपस्थित रहे। हालांकि, जब राज्य सरकार की ओर से यह बताया गया कि अभी तक शासन से कोई निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं, तो कोर्ट ने इस पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि पिछली सुनवाई में भी सरकारों से यह स्पष्ट करने को कहा गया था कि मानवता के आधार पर बच्ची के इलाज में वे किस प्रकार सहायता कर सकती हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल सामने नहीं आई है। मामले की गंभीरता के बावजूद लगातार दूसरी सुनवाई में भी एम्स की ओर से कोई प्रतिनिधि या वकील कोर्ट में उपस्थित नहीं हुआ। इस पर भी कोर्ट ने अप्रत्यक्ष रूप से चिंता व्यक्त की। अनिका की ओर से एडवोकेट चंचल गुप्ता और लखन शर्मा ने पैरवी करते हुए कोर्ट बताया कि बच्ची की हालत लगातार गंभीर होती जा रही है और इलाज में देरी उसके लिए जोखिम बढ़ा रही है। उन्होंने उपचार की तात्कालिक आवश्यकता पर जोर देते हुए शीघ्र निर्णय की मांग की।

गेहूं की पेटी में छिपाकर रखे सोने चांदी के आभूषण चोरी कर लिए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। ग्राम बुराना खेड़ी में चोरों ने एक किसान के घर से गेहूं की पेटी में छिपाकर रखे सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। घटना के समय परिवार घर से बाहर डबल चौकी गया था। खुडैल थाना पुलिस के मुताबिक- 35 वर्षीय अर्जुन चौधरी ने शिकायत दर्ज कराई है कि 18 जून को वह घर से बाहर डबल चौकी गए थे। इसी दौरान अज्ञात बदमाश उनके घर में घुस गए और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। जब अर्जुन वापस घर पहुंचे तो देखा कि गेहूं रखने वाली पेटी का ताला टूटा था। वहीं, घर का सामान भी बिखरा हुआ मिला। पेटी में रखे सोने-चांदी के आभूषण गायब थे। फरियादी के मुताबिक, चोर पुराना सोने का हार, झुमके, सोने का मंगलसूत्र, चांदी की चार जोड़ी पायजेब समेत अन्य आभूषण चोरी कर ले गए। चोरी हुए जेवरों की कुल कीमत का आकलन किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि फरियादी द्वारा आभूषणों के बिल और मूल्य संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत किए जाने के बाद नुकसान की सटीक राशि निर्धारित की जाएगी। भंवरकुआ के शांति फार्म हाउस इलाके में रहने वाले राजकुमार वर्मा ने भी लाखों रुपए की चोरी के मामले में एफआईआर दर्ज कराई है। राजकुमार ने बताया कि वह एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। वह अपने ससुराल गए थे। रविवार को वापस लौटे तो घर का पूरा सामान बिखरा पड़ा था। घर से सोने का हार, कान के टॉप्स, सोने की चार अंगूठियां, सोने की पाटली, मंगलसूत्र, सोने की नथ, कुछ चांदी के जेवर और नकदी गायब थी।

शिशुकुंज स्कूल झलारिया कैंपस का किचन सील

एक्सपायर मसाले और अनियमितताएं मिलने पर जिला प्रशासन ने की बड़ी कार्रवाई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा को झलारिया कैंपस बाईपास रोड स्थित शिशुकुंज स्कूल के भोजन से बच्चों का स्वास्थ्य खराब होने की शिकायत पालकों से प्राप्त हुई थी। शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देश पर एक संयुक्त जांच दल का गठन कर स्कूल का औचक निरीक्षण किया गया।

23 खाद्य पदार्थों के सैंपल जांच हेतु भेजे गए

जांच दल द्वारा स्कूल के किचन का विस्तृत निरीक्षण किया गया। इस दौरान किचन में उपयोग की जा रही खाद्य सामग्री जैसे पनीर, आइसक्रीम, 6 प्रकार के मसाले, शरबत, राजमा, तेल, नमकीन, 4 प्रकार की दालें, दूध, तैयार दाल, तैयार कोफ्ते, कोफ्ते की सब्जी, पके हुए चावल, रोटी और पीने के पानी सहित कुल

23 नमूने जांच के लिए संग्रहित किए गए। इन सभी सैंपलों को परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। निरीक्षण के दौरान स्कूल किचन में एक्सपायरी डेट निकल चुके मसालों के 10 पैकेट और नमकीन के 2 पैकेट पाए गए। जिसका प्रकरण तैयार किया गया। संयुक्त दल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए स्कूल के किचन को आगामी आदेश तक के लिए सील कर दिया गया है। मामले में नियमानुसार प्रकरण भी तैयार किया गया है। इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में एसडीएम कनाड़िया दीपक चौहान, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी माधव प्रसाद हासानी, खाद्य सुरक्षा प्रशासन के खाद्य सुरक्षा अधिकारी, शिक्षा विभाग तथा पुलिस प्रशासन के अधिकारी मुख्य रूप से सम्मिलित रहे। कलेक्टर श्री वर्मा ने विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी भी स्कूल, हॉस्टल, मेस, कैंटीन अथवा खाद्य प्रतिष्ठान में गंदगी, मिलावट, अस्वच्छ परिस्थितियां, बिना लाइसेंस खाद्य कारोबार या अन्य खाद्य सुरक्षा संबंधी अनियमितताएं दिखाई दें, तो इसकी सूचना तुरंत कलेक्टर हेल्पलाइन 0731-181 पर अवश्य दें। प्राप्त शिकायतों पर प्रशासन द्वारा त्वरित जांच और कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

यदि आप साहस और निर्भीकता के साथ 'खोजी पत्रकार' के रूप में कार्य करना चाहते है...
अपने आसपास के भ्रष्टाचार-अपराध-अव्यवस्थाओं को उजागर करना चाहते है...
तो आइए हमारे समाचारपत्र/न्यूज वेबपोर्टल/यूट्यूब चैनल के साथ 'क्राइम रिपोर्टर' के रूप में कार्य करे।
★★★★★
कृपया हमारी वेबसाइट पर जाकर खुद को रजिस्टर्ड करे। या फिर हमें आपका पूरा बॉयोडाटा मेल करे
www.dgr.co.in
www.detectivegroupreport.com
detectivegroupreport@gmail.com
(आपके सुझाव/लेख/न्यूज़/सूचना का सदैव स्वागत है।)

राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने चीता मित्रों से किया संवाद

● चीता संरक्षण की ली जानकारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने अपने दो दिवसीय कूनो नेशनल पार्क के प्रवास के दौरान सोमवार को चीता मित्रों से संवाद कर चीता संरक्षण के प्रयासों की जानकारी ली। राष्ट्रपति ने चीता मित्रों से चर्चा करते हुए उनके द्वारा चीतों की सुरक्षा और आमजन के बीच चीतों के व्यवहार को लेकर किये जा रहे जन-जागरूकता के प्रयासों के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने सभी चीता मित्रों से वन-टू-वन चर्चा कर परियोजना के लिए उनके द्वारा मानसेवी रूप से किये जा रहे प्रयासों की सराहना की।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु को चीता मित्रों ने अवगत कराया कि कूनो नेशनल पार्क से लगे सभी ग्रामों में चीता मित्र मौजूद है, जिनके द्वारा चीतो की सुरक्षा के संबंध में ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। चीतो के आबादी क्षेत्र में आवागमन की स्थिति पर किये जाने वाले कार्यों के संबंध में सभी को अवगत कराया गया है। ग्रामीणों को यह जानकारी भी दी जा रही है कि स्वभाविक रूप से चीते किसी को नुकसान नहीं पहुंचाते है। चीता जब आबादी क्षेत्र अथवा खेतों में दिखाई दे तो तत्काल वन विभाग को अवगत कराया जाये, जिससे उन्हें किसी भी प्रकार से नुकसान न पहुँचे। भारत में चीतों की पुनर्बसाहट के लिए यह परियोजना अति महत्वपूर्ण है। इस दौरान चीता मित्र कुलदीप आदिवासी सिलोरी, संग्राम आदिवासी एवं कु. राजनदंनी आदिवासी हथेडी, श्रीमती मल्हा आदिवासी सेसईपुरा, शिवम आदिवासी पालपुर, विनोद आदिवासी पैरा, रामलखन आदिवासी कराहल, लालाराम आदिवासी सेसईपुरा, दौलतराम आदिवासी सेसईपुरा और सतीश आदिवासी मोरावन मौजूद रहें।

इस अवसर पर वन विभाग के प्रमुख सचिव संदीप यादव, पीसीसीएफ शुभरंजन सेन, कमिश्नर सुरेश कुमार, आईजी सचिन अतुलकर, कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा, पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल, सीसीएफ उत्तम कुमार, डीएफओ आर थिरूकुराल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहें। उल्लेखनीय है कि कूनो नेशनल पार्क में चीतों की पुनर्स्थापन योजना को लगभग साढ़े तीन वर्ष से अधिक का समय हो गया है। नेशनल पार्क में नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका एवं बोत्सवाना से चीतों को लाया गया है, वर्तमान में देश में चीतों की संख्या 52 है, जिनमें से 49 चीते कूनो नेशनल पार्क में तथा 03 चीते मंदसौर स्थित गांधी सागर अभ्यारण में मौजूद है। भारत में जन्मे चीतो की संख्या 32 है, चीता प्रोजेक्ट निरंतर सफलता की ओर आगे बढ रहा है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु चीता मित्रों से संवाद के उपरांत हेलीकॉप्टर से ग्वालियर के लिये रवाना हुई। हेलीपेड पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मीनिस्टर इन वेटिंग एवं जिले के प्रभारी मंत्री राकेश शुक्ला, सांसद शिवमंगल सिंह तोमर सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों ने आदरपूर्वक विदाई दी।

पिकअप वाहन ट्रक से टकराया 6 मजदूरों की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

छिंदवाड़ा, एजेंसी। बैतूल नेशनल हाईवे पर एक पिकअप वाहन की सामने से आ रहे ट्रक से जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हुई है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार मजदूर दूर जा गिरे। हादसा सोमवार सुबह करीब 10 बजे टेमनी खुर्द के पास हुआ।

मृतकों में 4 महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं। जिला अस्पताल में अब तक 20 घायल लाए जा चुके हैं। इनमें एक गंभीर रूप से घायल है, जिसे मेडिकल कॉलेज, नागपुर रेफर किया जाएगा। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी अस्पताल में मौजूद हैं। 20 से 25 डॉक्टर घायलों के उपचार में जुटे हैं। सर्जिकल आईसीयू में 3 मरीज भर्ती हैं। ऑर्थोपेडिक्स विभाग में 4 मरीज भर्ती हैं, जबकि 3 घायलों का ओटी में इलाज चल रहा है। सभी मजदूर मछैरा के रहने वाले हैं। हादसे में मृत सावित्री वनके (31) के पति सुरेश सिंह ने बताया कि सभी लोग सब्जी तोड़ने सुबह 9 बजे कन्हरगांव के लिए निकल रहे थे। पिकअप मजदूरों को लेने के लिए खड़ा था। पीछे से यूरिया से भरा ट्रक आ रहा था, जिसने पिकअप को टक्कर मार दी। पिकअप में 20-25 मजदूर थे।

शराब पार्टी के बाद मां समेत 3 की हत्या

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

गुना, एजेंसी। जिले में शराब पार्टी के बाद बेटे ने अपनी मां और दो अन्य लोगों की हत्या कर दी। आरोपी को अपनी मां के अवैध संबंधों पर आपत्ति थी। जमीन को लेकर भी विवाद चल रहा था। इसी रंजिश में आरोपी ने अपने मौसेरे भाई और एक अन्य साथी के साथ मिलकर तीनों का गला घोंट दिया। जानकारी के मुताबिक, मृतकों की पहचान बदरवास निवासी विंदा बाई जाटव, कोलारस निवासी रामकिशन जाटव और म्याना निवासी 60 वर्षीय ओमप्रकाश शर्मा के रूप में हुई। शुरुआत में रविवार को मिले शव को ओमप्रकाश शर्मा का मान लिया गया था, लेकिन बाद में उसकी पहचान रामकिशन जाटव के रूप में हुई।

विधानसभा के मानसून सत्र से पहले ही डॉ. मोहन यादव की नई टीम के गठन की पूरी संभावना

महिला विधायकों समेत 5 चेहरे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश की मोहन सरकार अपने मंत्रिमंडल में बहुत बड़ा बदलाव करने की तैयारी में है। दरअसल, हाल ही में सीएम मोहन यादव ने बड़े संकेत दिए हैं जिसके बाद से मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें तेज हो गई है। 20 जुलाई से विधानसभा के मानसून सत्र से पहले ही नई मोहन टीम के गठन की पूरी संभावना है। सूत्रों की मानें तो 4-6 मंत्री सीएम की रडार पर हैं जिन्हें मंत्रिमंडल से बाहर किया जा सकता है। वहीं खबर है कि 4-5 विधायकों को मंत्रीमंडल में जगह मिल सकती है। जिनमें दो महिला विधायकों का जिक्र है।

वर्तमान में मोहन कैबिनेट में शामिल होने वाले मंत्रियों की संख्या के गणित की बात करें तो मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्रियों सहित कुल 31 सदस्य हैं। चूंकि विधानसभा की सदस्य संख्या के हिसाब से राज्य में अधिकतम 35 मंत्री बनाए जा सकते हैं, इसलिए इस समय चार पद पूरी तरह खाली हैं। ऐसे में मोहन सरकार के पहले कैबिनेट विस्तार में इन खाली पदों को भरा जा सकता है। इसके साथ ही नॉन परफॉर्मर मंत्रियों को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। सूत्रों की मानें तो कैबिनेट विस्तार में 4 से 6 मौजूदा मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है और 7 से 8 नए चेहरों को मौका मिल सकता है।

सीएम मोहन यादव ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि मंत्रियों के कामकाज की समीक्षी और उनके रिपोर्ट कार्ड के आधार पर मंत्रिमंडल विस्तार किया जाएगा। गौरतलब है कि इसके लिए उन्होंने खुद विभागों की समीक्षा कर मंत्रियों के कामकाज की पूरी रिपोर्ट ली है। अटकलें है कि मंत्री विजय शाह, वन राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार, राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, पंचायत विभाग की राज्यमंत्री राधा सिंह, संपतिया उइके और कृषि मंत्री एंदल सिंह कंषाना की शिकायतों के बाद उनपर गाज गिरना लगभग तय है। अटकलें है कि मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान सरकार के दिग्गज मंत्रियों के विभागों में बड़ा बदलाव भी देखने को मिल सकता है। दिग्गज नेता कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल और राकेश सिंह जैसे सीनियर मंत्रियों की कैबिनेट विस्तार के बाद नई भूमिका में देखें जा सकते हैं।

उज्जैन में बनेगा सिंहस्थ का स्थाई दफ्तर

आज सिंहस्थ मेला कार्यालय पर लगेगी कैबिनेट की मुहर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन/भोपाल, एजेंसी। दो साल बाद वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ (कुंभ) मेला को लेकर राज्य सरकार जल्द ही उज्जैन में सिंहस्थ मेला कार्यालय स्थापित करने जा रही है। यह स्थाई सिंहस्थ कार्यालय होगा, जो हर 12 साल में होने वाले सिंहस्थ मेले के साथ ही हर 6 साल के अंतराल पर होने वाले अर्धकुंभ मेले की तैयारियों से जुड़े कामकाज का प्रबंधन करेगा। कार्यालय के लिए बाकी औपचारिकताएं हो चुकी हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट बैठक में इस कार्यालय की स्थापना का प्रस्ताव लाया जाएगा। यह बैठक मंगलवार को सुबह 11 बजे से मंत्रालय में होगी। इसी बैठक में प्रदेश के 24 लाख से अधिक किसानों के लिए राज्य सरकार शून्य प्रतिशत पर कृषि ब्याज देने वाली योजना को आगे भी जारी रखने का प्रस्ताव लाएगी।

गौरतलब है कि प्रदेश में लगभग 1 करोड़ किसान हैं, इनमें से 24 लाख किसान राज्य की सहकारी बैंकों के खाताधारक हैं और राज्य की शून्य प्रतिशत पर किसान क्रेडिट कार्ड पर लोन लेते हैं। एक वर्ष के भीतर कर्ज चुकाने पर उन्हें कोई ब्याज नहीं देना होता है। इस ब्याज की भरपाई राज्य सरकार अपने खजाने से करती है। इसके अलावा करीब 10 अन्य प्रस्तावों को कैबिनेट में रखा जाएगा।

हज-2027 के लिए आवेदन शुरू

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। हज कमेटी ऑफ इंडिया, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हज-2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मध्यप्रदेश राज्य हज कमेटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने प्रदेश के इच्छुक मुस्लिम समुदाय के लोगों से निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी के अनुसार हज-2027 के लिए आवेदन 22 जून 2026 से शुरू होकर 20 जुलाई 2026 की रात 11:59 बजे तक किए जा सकेंगे। इच्छुक आवेदक हज कमेटी ऑफ इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल एप "हज सुविधा" के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जानकारी के अनुसार जुलाई 2026 के अंतिम सप्ताह में कुर्रा (डिजिटल रैंडम चयन प्रक्रिया) आयोजित की जाएगी। इसमें अस्थायी रूप से चयनित प्रत्येक हज यात्री को 1,52,300 रुपए की अग्रिम राशि 10 अगस्त 2026 तक अनिवार्य रूप से जमा करनी होगी। समयसीमा के बाद किसी प्रकार की छूट या विस्तार नहीं दिया जाएगा।

संपादकीय

ग्लोबल साउथ की सुरक्षा का दिल्ली रोडमैप और उभरती चुनौतियां

रूस की सुरक्षा परिषद के सचिव और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी सर्गेई शोइगु नई दिल्ली पहुंच चुके हैं। वह भारत की अध्यक्षता में हो रही 16वीं ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की उच्च स्तरीय बैठक में भाग लेंगे। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल कर रहे हैं। इस बैठक में शोइगु के अलावा, चीन के विदेश मंत्री वांग यी और ईरान के वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी भी इस बैठक में शामिल हुए हैं। इस उच्च स्तरीय बैठक में सुरक्षा चुनौतियों, सीमा पार आतंकवाद, उभरती हुई प्रौद्योगिकियों और पश्चिम एशिया तथा यूक्रेन के घटनाक्रमों पर विशेष रूप से जोर दिया जाएगा। सितंबर में भारत द्वारा आयोजित किए जाने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले विभिन्न वैश्विक सुरक्षा मुद्दों पर आम सहमति बनाने के लिए इस बैठक को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कल नई दिल्ली में 16वीं ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक के दौरान चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। बैठक में दोनों देशों के संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में हुई प्रगति सहित आपसी सहयोग के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। डोभाल ने कहा कि भारत और चीन के बीच स्थिर, भरोसेमंद और सकारात्मक संबंध दोनों देशों के बीच विश्वास और बेहतर समझ को मजबूत करने में मदद करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने हाल के घटनाक्रमों की समीक्षा की, तथा सकारात्मक संबंधों की दिशा में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के डिप्टी सेक्रेटरी डॉ. गदीर नेजामी ने नई दिल्ली में हुई ब्रिक्स बैठक के दौरान चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। इस बैठक में दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय हालात, दोनों देशों के बीच सहयोग और शांति समझौते को लागू करने पर चर्चा की।

Health is Wealth

12 मिनट में ब्रेन ट्यूमर की पहचान करेगा एआई सिस्टम

महंगे टेस्ट और लंबे इंतजार की जरूरत नहीं

ब्रेन ट्यूमर दुनिया की सबसे जटिल और गंभीर बीमारियों में से एक माना जाता है। इसकी सही पहचान और प्रकार का पता लगाने में अक्सर डॉक्टरों को काफी समय लग जाता है। कई मामलों में मरीजों को महंगे DNA टेस्ट करवाने पड़ते हैं और रिपोर्ट आने में एक से दो सप्ताह तक का समय लग सकता है। लेकिन अब वैज्ञानिकों ने एक ऐसी नई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) तकनीक विकसित की है, जो महज 12 मिनट में ब्रेन ट्यूमर की पहचान करने और उसके प्रकार का अनुमान लगाने में सक्षम बताई जा रही है। यह नई तकनीक भविष्य में कैंसर की जांच को तेज, सस्ता और अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकती है।

क्या है नया AI सिस्टम

वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इस AI मॉडल का नाम Hetairos रखा गया है। हाल ही में प्रकाशित एक शोध के अनुसार, यह सिस्टम सिर्फ पैथोलॉजी स्लाइड की डिजिटल तस्वीरों का विश्लेषण करके ब्रेन और सेंट्रल नर्वस सिस्टम (CNS) से जुड़े विभिन्न प्रकार के ट्यूमर की पहचान करने का प्रयास करता है। सबसे खास बात यह है कि इसके लिए अतिरिक्त DNA या जीन संबंधी जांच की आवश्यकता नहीं पड़ती। यानी जिन मामलों में पहले महंगे और समय लेने वाले परीक्षण जरूरी माने जाते थे, वहां अब शुरुआती स्तर पर बहुत तेजी से जानकारी हासिल की जा सकती है।

कैसे काम करता है यह AI मॉडल

विशेषज्ञों के अनुसार, Hetairos सामान्य टिश्यू स्लाइड्स में मौजूद उन सूक्ष्म पैटर्न को पहचान सकता है जिन्हें इंसानी आंखें आसानी से नहीं देख पातीं। इसे ऐसे समझा जा सकता है जैसे कोई अनुभवी मैकेनिक केवल इंजन की आवाज सुनकर समस्या का अंदाजा लगा लेता है। उसी तरह यह AI टिश्यू की तस्वीरों में छिपे संकेतों को पढ़कर ट्यूमर के प्रकार का अनुमान लगाता है।

हजारों मरीजों के डेटा पर हुआ परीक्षण

इस तकनीक को विकसित करने के लिए शोधकर्ताओं ने दुनिया के विभिन्न हिस्सों से एकत्र किए गए बड़े डेटा का उपयोग किया। AI मॉडल को 9,606 मरीजों से प्राप्त 11,000 से अधिक स्लाइड नमूनों पर प्रशिक्षित और परखा गया। ये नमूने चार महाद्वीपों के 11 अलग-अलग चिकित्सा संस्थानों से जुटाए गए थे। शोध के दौरान AI ने 102 प्रकार के ब्रेन और CNS ट्यूमर की पहचान करने की कोशिश की और कई मामलों में उल्लेखनीय परिणाम दिए।

सटीकता ने विशेषज्ञों को भी चौंकाया

अध्ययन में पाया गया कि AI मॉडल ने 50 से 70 प्रतिशत मामलों में काफी भरोसेमंद भविष्यवाणी की। जिन मामलों में यह आत्मविश्वास के साथ निष्कर्ष तक पहुंचा, वहां इसकी सटीकता लगभग 87 प्रतिशत तक दर्ज की गई। यह परिणाम इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि ब्रेन ट्यूमर की पहचान कई बार अनुभवी विशेषज्ञों के लिए भी चुनौतीपूर्ण होती है।

अनुभवी डॉक्टरों से भी बेहतर प्रदर्शन

शोध का एक रोचक पहलू यह भी रहा कि जब केवल स्लाइड की तस्वीर देखकर ट्यूमर पहचानने की बात आई, तो Hetairos ने कई अनुभवी न्यूरोपैथोलॉजिस्ट से बेहतर प्रदर्शन किया। अध्ययन में शामिल पांच विशेषज्ञ डॉक्टरों की औसत सटीकता लगभग 30 प्रतिशत रही, जबकि AI मॉडल की सटीकता 68 प्रतिशत तक पहुंच गई। हालांकि वैज्ञानिक स्पष्ट करते हैं कि इसका अर्थ यह नहीं है कि AI डॉक्टरों की जगह ले लेगा, बल्कि यह उनके निर्णय लेने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने में मदद करेगा।

12 दिन की जगह सिर्फ 12 मिनट

पारंपरिक आणविक और DNA आधारित जांचों में अंतिम रिपोर्ट आने में औसतन 10 से 14 दिन तक लग सकते हैं। इसके विपरीत Hetairos एक स्कैन की गई स्लाइड का विश्लेषण करके लगभग 12 मिनट में प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार कर सकता है। इससे मरीजों के इलाज में होने वाली देरी को कम किया जा सकता है और डॉक्टर जल्दी उपचार योजना बना सकते हैं।

छोटे अस्पतालों के लिए भी बन सकता है वरदान

विशेषज्ञों का मानना है कि यह तकनीक खासतौर पर उन अस्पतालों और चिकित्सा केंद्रों के लिए उपयोगी साबित हो सकती है, जहां अत्याधुनिक DNA जांच सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे स्थानों पर यह AI सिस्टम शुरुआती स्तर पर ट्यूमर की पहचान का संकेत दे सकता है और डॉक्टरों को आगे की जांच व उपचार की दिशा तय करने में मदद कर सकता है।

डॉक्टरों की जगह नहीं, सहयोगी बनेगा AI

शोधकर्ताओं ने साफ किया है कि Hetairos का उद्देश्य डॉक्टरों को प्रतिस्थापित करना नहीं है। यह तकनीक एक सहायक उपकरण के रूप में विकसित की गई है, जो विशेषज्ञों को तेजी से और अधिक सटीक निर्णय लेने में मदद करेगी। अंतिम निदान और उपचार का निर्णय हमेशा चिकित्सक ही करेंगे।

कैंसर जांच का भविष्य बदल सकती है तकनीक

विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में AI आधारित तकनीकें कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों की पहचान के तरीके को पूरी तरह बदल सकती हैं। यदि इस तरह की प्रणालियां व्यापक स्तर पर सफल साबित होती हैं, तो मरीजों को तेजी से जांच रिपोर्ट मिल सकेगी, इलाज जल्दी शुरू हो सकेगा और स्वास्थ्य सेवाएं पहले से अधिक सुलभ और किफायती बन सकती हैं।

Gujrat

32 रुपये वाला लीटर पेट्रोल-डीजल! देश में बड़ा कमाल हो गया, एवरेज भी 60 का

वडोदरा, (एजेंसी) पेट्रोलियम उत्पादों के आयात से देश के खजाने पर पड़ने वाले बोझ को हल्का करने के लिए नए-नए विकल्प तलाशे जा रहे हैं। इथेनॉल मिले हुए पेट्रोल के बाद अब एक नए तरीके का पेट्रोल-डीजल देश में तैयार किया गया है, जो ना सिर्फ बेहद सस्ता होगा बल्कि एवरेज भी सामान्य तेल जितना ही मिल रहा है। प्लास्टिक वेस्ट से तैयार किए गए इस पेट्रोल-डीजल से एक तरफ जहां ईंधन का एक नया और सस्ता विकल्प मिलेगा, बल्कि प्लास्टिक कचरे की समस्या का समाधान भी होगा।

टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक,

वडोदरा में गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) के वैज्ञानिकों ने यह कमाल किया है। उन्होंने सफलतापूर्वक मिक्स्ड प्लास्टिक वेस्ट को पेट्रोल-डीजल जैसे ईंधन में बदला है। ऐसा नहीं कि यह फॉर्मूला फाइलों या लैब तक सीमित है, बल्कि मोटसाइकिलों को दौड़ाकर देख लिया गया है। भारत के प्रमुख दोपहिया निर्माता कंपनी की तीन मोटसाइकिलों को इन पेस्ट्रो पेट्रोल से दौड़ाया गया। इसके लिए इसमें किसी बदलाव की जरूरत नहीं हुई।

एक और अच्छी बात यह है कि माइलेज भी लगभग सामान्य पेट्रोल जितना ही है। 100 सीसी की एक बाइक जिसने सामान्य पेट्रोल से 62 का एवरेज दिया वह प्लास्टिक से तैयार एक लीटर पेट्रोल से 60 किलोमीटर दौड़ी। जब आप इस नए पेट्रोल के फायदे जानकर खुश

Uttarpradesh

● हाईवे पर भीषण हादसा

बस का इंतजार कर रहे थे यात्री, तेज रफ्तार ट्राला ने रौंदा, बच्ची समेत दो की मौत, कई घायल

हापुड़, (एजेंसी) दिल्ली लखनऊ हाईवे पर थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के सोना कट के पास मंगलवार की सुबह तड़के बस का इंतजार कर रहे यात्रियों को तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्राला ने कुचल दिया। हादसे में एक पांच वर्षीय बच्ची व 15 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। जबकि हादसे में छह यात्री घायल हो गए। जिनमें से दो महिलाओं की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें मेरठ रेफर किया गया है।

सभी यात्री तड़के सीतापुर डिपो की रोडवेज बस में सवार होकर दिल्ली और नोएडा जा रहे थे और सोना कट के पास उनकी बस खराब हो गई थी। सभी यात्री यहां खड़े होकर दूसरी बस का इंतजार कर रहे थे। हादसे के बाद ट्राला चालक मौके से फरार हो गया था। हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची थाना देहात व हाफिजपुर पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को सीएचसी और जिला अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ट्रोले को कब्जे में लेकर मामले की जांच कर रही है। हादसा की सूचना पर सीओ अनीता चौहान भी मौके पर पहुंची थीं। मृतकों में नायरा (5) व मीरा (22) निवासी गांव बरगामा जिला सीतापुर शामिल हैं और दोनों बुआ-भतीजी बताई जा रही हैं।

Bihar

तेजप्रताप यादव के सरकारी आवास में चोरी, 20 लाख कैश और पार्टी फंड गायब...PA पर FIR

पटना, (एजेंसी) तेज प्रताप यादव ने अपने करीबी और निजी सहायक (पीए) मोतीलाल राय के खिलाफ पटना के सचिवालय थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराई है. उन्होंने पुलिस को दिए लिखित आवेदन में आरोप लगाया है कि उनके सरकारी आवास से करीब 20 लाख रुपये नकद समेत कई कीमती सामान चोरी हो गए हैं. तेज प्रताप यादव के अनुसार यह घटना 22 जून को सामने आई, जब उन्होंने अपने कमरे की अलमारी की जांच की.

शिकायत में कहा गया है कि अलमारी से लगभग 20 लाख रुपये नकद, दो तोला सोने की चेन, एक सोने की अंगूठी, चार नए ड्रोन, दो हार्ड डिस्क, एक आईपैड, एक मैकबुक, एक लेनोवो लैपटॉप और चार आईफोन 17 प्रो मैक्स मोबाइल फोन गायब मिले. तेज प्रताप यादव का दावा है कि चोरी हुए 20 लाख रुपये पार्टी फंड के थे.

पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है. अधिकारियों का कहना है कि आवेदन में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

Himachal pradesh

हिमाचल में 43 दवाएं मानकों पर नहीं उतरीं खरी, पांच माह में 264 सैंपल हुए फेल

शिमला, (एजेंसी) हिमाचल प्रदेश में बनी दवाओं की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हुए हैं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के मई के ड्रग अलर्ट में प्रदेश में बनी 43 दवाओं के सैंपल गुणवत्ता जांच में फेल पाए गए हैं। देशभर में कुल 157 दवाओं के नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं। वर्ष 2026 के पहले पांच महीनों के आंकड़ों पर नजर डालें तो प्रदेश की 264 दवाओं के सैंपल गुणवत्ता जांच में फेल हो चुके हैं। जनवरी में 71, फरवरी में 73, मार्च में 76, अप्रैल में 31 और मई में 43 दवाओं के नमूने मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। यह स्थिति प्रदेश के फार्मा उद्योग में गुणवत्ता नियंत्रण को लेकर चिंता बढ़ा रही है।

मई की रिपोर्ट के अनुसार फेल हुई दवाओं का उत्पादन करने वाली कंपनियों में ऊना की दो,

सोलन जिले की 30 और सिरमौर जिले की 11 हैं। राज्य दवा नियंत्रक डॉ. मनीष कपूर ने बताया कि संबंधित कंपनियों के खिलाफ ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। साथ ही इन दवाओं का स्टॉक बाजार से वापस मंगाने के निर्देश दिए जाएंगे। रिपोर्ट के अनुसार कालाअंब स्थित केसपिन कंपनी की विटामिन-ई दवा के लगातार तीन सैंपल फेल हुए हैं।

खेल

अर्जेंटीना 2-0 से जीता, मेसी ने दागे दो ऐतिहासिक गोल, नॉकआउट में पहुंची टीम

डलास। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-जे मुकाबले में अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराकर नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर ली। डलास स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले के हीरो कप्तान लियोनेल मेसी रहे, जिन्होंने दोनों गोल दागकर न सिर्फ टीम को जीत दिलाई बल्कि विश्व कप इतिहास में नया कीर्तिमान भी स्थापित कर दिया। 38 वर्षीय मेसी ने मैच के 38वें मिनट में शानदार गोल कर अर्जेंटीना को बढ़त दिलाई। थियागो अल्माडा के बेहतरीन डमी मूव और फाकुंडो मेडिना के सटीक पास पर मेसी ने गेंद को शानदार तरीके से नेट में पहुंचाया। इसके बाद उन्होंने इंजरी टाइम (90+5वें मिनट) में दूसरा गोल कर अर्जेंटीना की जीत पर मुहर लगा दी। ऑस्ट्रिया के खिलाफ किए गए दो गोलों के साथ मेसी के विश्व कप करियर में कुल गोलों की संख्या 18 हो गई। इससे पहले जर्मनी के महान स्ट्राइकर

मिरोस्लाव क्लोस 16 गोल के साथ विश्व कप इतिहास के सर्वाधिक गोलकर्ता थे। अल्जीरिया के खिलाफ पिछले मैच में हैट्रिक लगाने के बाद शानदार फॉर्म में चल रहे मेसी ने क्लोस को पीछे छोड़ते हुए यह ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली।

ऑस्ट्रिया पर मिली जीत मेसी के विश्व कप करियर की 17वीं जीत रही। इसके साथ ही उन्होंने मिरोस्लाव क्लोस के विश्व कप में सर्वाधिक मैच जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। मेसी अब विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं।

मेसी ने ऑस्ट्रिया के खिलाफ गोल कर लगातार छठे विश्व कप मुकाबले में स्कोर करने का कारनामा भी दोहराया। इसके साथ ही उन्होंने फ्रांस के जस्ट फोंटेन (1958) और ब्राजील के जैरजिन्हो (1970) के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। विश्व कप इतिहास में अब तक केवल यही तीन खिलाड़ी लगातार छह मैचों में गोल करने में सफल हुए हैं। अगर मेसी अगले विश्व कप मुकाबले में भी गोल दागते हैं, तो वह इस मामले में नया विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे। ऑस्ट्रिया ने मुकाबले में शानदार जुझारूपन दिखाया। कप्तान डेविड अलाबा ने कई महत्वपूर्ण रक्षात्मक हस्तक्षेप किए, जबकि मार्सेल साबित्जर ने अपने 100वें अंतरराष्ट्रीय मैच में खतरनाक फ्री-किक से अर्जेंटीना को चुनौती दी। हालांकि, राल्फ रंगनिक की टीम मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना की मजबूत रक्षा पंक्ति को भेदने में नाकाम रही। दूसरी ओर, निकोलस गोंजालेज भी अर्जेंटीना के लिए गोल करने के करीब पहुंचे, लेकिन अंततः मैच का फैसला मेसी के शानदार प्रदर्शन ने किया। पिछले नौ विश्व कप मुकाबलों में से सात में मेसी अर्जेंटीना के लिए निर्णायक साबित हुए हैं और इस मैच में भी उन्होंने वही भूमिका निभाई।

सिनेमा

बॉक्स ऑफिस पर खत्म हुआ वरुण की फिल्म का खेल, सोमवार को लाखों के लिए तरसी मूवी

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' 5 जून को थिएटर में रिलीज हुई है। इस मल्टीस्टारर मूवी के रिलीज का फैंस ने काफी इंतजार किया। इन दिनों वरुण अपनी लव ट्रायंगल मूवी को लेकर काफी सुर्खियों में रहे। 'है जवानी तो इश्क होना है' को कॉमेडी किंग डेविड धवन ने डायरेक्ट किया है। डेविड की 'है जवानी तो इश्क होना है' को लेकर लोगों की एक्साइटमेंट काफी हाइप पर रही है। बता दें कि डेविड हमेशा से ही अपनी फिल्मों के खास टेम्पलेट के लिए जाने जाते हैं। आज इस फिल्म को रिलीज हुए 18 दिन हो गए हैं। वहीं, अब इसकी कामई की रफ्तार काफी धीमी हो चुकी है। ऐसे में अब इसके सोमवार के कलेक्शन सामने आ चुके हैं। तो चलिए जानते हैं इसने अब तक कितना कलेक्शन कर लिया है। वरुण धवन की कॉमेडी झामा फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की है। डेविड धवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म के रीमिक्स गानों को लेकर भले ही एक तरफ काफी कंट्रोवर्सी हुई, लेकिन इन विवादों के बीच फिल्म ने पहले वीकेंड में अच्छी-खासी कमाई की। हालांकि, वरुण के सामने शाहिद कपूर 'कॉकटेल 2', राम चरण की 'पेड्डी', कंगना रनौत की 'भारत भाग्य विधाता' जैसी फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। ऐसे में फिल्म के लिए तगड़ा मुकाबला बना हुआ है। इसे बावजूद ये फिल्म पूरा जोर लगा रही है। 'है जवानी तो इश्क होना है' ने ओपनिंग डे पर 7.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। वहीं, अब इसके सोमवार के कलेक्शन आ चुके हैं।

Highlights

1. Congress keeps saying 'Modiji this & that should be done', even they believe 'karega to yehi': PM
2. 'Let me go to my son,' cries mother outside Lucknow building where fire killed 15
3. Shelter dog refuses to let go man's hand, leaves everyone in tears
4. 2 workers killed, 2 trapped as fire breaks out at industrial park in Andhra
5. BMC banks on July rain, says water stock to last till Aug 20
6. 'If we are Kafirs, don't walk on roads built by us,' says MP Minister; sparks row
7. Kerala on alert as heavy rain, thunderstorms loom today

Rupee falls 6 paise to 94.69 against US dollar in early trade amid Fed rate worries

NEW DEIHI, (Agency). The rupee fell 6 paise to 94.69 against the US dollar in early trade on Tuesday as the greenback strengthened further to hover around its 13-month high.

FII outflows and a weaker start to the morning trade at the domestic equity markets put further pressure on the rupee while a decline in crude oil prices cushioned against a steeper decline, forex traders said.

At the interbank foreign exchange, the rupee opened at 94.73 against the US dollar before rising to 94.69, down 6 paise from its previous close.

The rupee depreciated 30 paise to close at 94.63 against the US dollar on Monday.

"The rupee opened weaker against the US dollar, as mounting expectations of a Federal Reserve rate hike and broad-based dollar strength weighed on Asian currencies. The greenback hovered near a 13-month high, supported by optimism surrounding US-Iran peace negotiations and weakness in major currencies, particularly the British pound and Japanese yen," Pinky Yadav, Commodity Fundamental Analyst at Choice Broking, said.

"While easing crude oil prices amid progress in US-Iran talks may offer some support to the rupee, the Fed's hawkish stance and higher inflation outlook are likely to keep gains limited. Meanwhile, India's infrastructure output growth slowed to 0.5 per cent in May, signaling a moderation in economic activity," Yadav said.

"The rupee will remain in a range of 94.20 to 94.90 for the day with upticks to the dollar to be sold off," Anil Kumar Bhansali, Head of Treasury and Executive Director, Finrex Treasury Advisors LLP, said.

Meanwhile, the dollar index, which gauges the greenback's strength against a basket of six currencies, was trading at 101.04, up 0.02 per cent, amid hawkish Fed and the fragile US-Iran trade deal.

Brent crude, the global oil benchmark, was trading lower by 0.46 per cent at USD 77.54 per barrel in futures trade.

On the domestic equity market front, Sensex declined 57.43 points to 77,061.94 in early trade while the Nifty was down 31.6 points to 24,071.30.

Foreign institutional investors turned net sellers, offloading equities worth ₹635.91 crore on a net basis on Monday, according to exchange data.

40 दुकानें जमींदोंज, वर्षों से था जमीन पर कब्जा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर में देवास नाका क्षेत्र में आकार ले रहे ब्रिज की सर्विस रोड के लिए सोमवार को इंदौर विकास प्राधिकरण और प्रशासन ने एक साथ 40 से ज्यादा दुकानें तोड़ दीं। इस कार्रवाई को लेकर बेरोजगार हुए दुकानदारों ने विरोध भी किया, लेकिन अधिकारियों का कहना था कि वर्षों से प्राधिकरण की जमीन पर कब्जा कर व्यापार किया जा रहा था और अब वहां से सर्विस रोड निकालना जरूरी है। देवास नाका में एमपीआरडीसी ब्रिज का निर्माण कर रहा है। ब्रिज का लगभग 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। ब्रिज के पास सर्विस रोड के निर्माण में 40 दुकानें बाधक बनी हुई थीं। नगर निगम ने एक माह पहले ही दुकानदारों को नोटिस दे दिया था। इन दुकानों में रेस्टोरेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो पार्ट्स सहित

अन्य व्यवसाय संचालित हो रहे थे। दुकानदारों ने करीब 20 वर्षों से इंदौर विकास प्राधिकरण की जमीन पर अतिक्रमण कर दुकानें बना रखी थीं। इसी कारण उनके पास जमीन के वैध दस्तावेज नहीं थे। कुछ दुकानदारों ने कलेक्टर से मिलकर मदद भी मांगी थी, लेकिन अतिक्रमण होने के कारण उन्हें कोई राहत नहीं मिल सकी।सुबह नगर निगम का अमला चार पोकलेन मशीनों और 50 से अधिक श्रमिकों के साथ मौके पर पहुंचा। अधिकांश दुकानें पहले ही खाली कर दी गई थीं। हालांकि एक दुकानदार ने अपनी मोबाइल की दुकान खाली नहीं की थी। दुकानों को तोड़ते समय अधिकारियों की नजर उस दुकान पर पड़ी और ताला खुलवाकर सामान बाहर निकलवाया गया। दुकानदारों को भी इस बात का अंदेशा था कि अतिक्रमण के कारण उनकी दुकानें कभी भी हटाई जा सकती हैं, इसलिए उन्होंने दुकानों का पक्का निर्माण नहीं कराया था। इसी वजह से उन्हें तोड़ने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई। महज दो घंटे में 40 दुकानें जमींदोज कर दी गईं। मंगलवार से नगर निगम मलबा हटाने का काम शुरू करेगा। इसके बाद प्राधिकरण अपनी जमीन एमपीआरडीसी को सौंपेगा। लगभग 15 दिन बाद सर्विस रोड का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

छात्रा ने लगाई फांसी, परीक्षा के तनाव की आशंका

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में रहने वाली MCA छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शुरुआती जांच में सामने आया है कि छात्रा परीक्षा को लेकर तनाव में थी। पुलिस ने मामला जांच में लिया है और परिजनों को सूचना दे दी गई है।

परदेशीपुरा थाना प्रभारी आरडी कानवा के अनुसार मृतका रेखा (22) पुत्री उत्तम गाढे मूल निवासी बुरहानपुर थी। वह पिछले एक साल से इंदौर में रहकर चमेली देवी कॉलेज से MCA की पढ़ाई कर रही थी। रविवार रात करीब 11 बजे लेखा की सहेलियों ने उसे कमरे में फंदे पर लटका हुआ देखा। बताया जा रहा है कि रविवार शाम सहेलियों ने उसे राजबाड़ा घूमने चलने के लिए कहा था, लेकिन उसने जाने से मना कर दिया था। बाद में जब सहेलियां वापस लौटीं तो वह कमरे में फांसी के फंदे पर लटकी मिली। पुलिस ने मौके पर मौजूद सहेलियों से पूछताछ की। उन्होंने बताया कि रेखा MCA सेकंड सेमेस्टर की परीक्षा दे रही थी। उसके कुछ पेपर खराब हो गए थे, जिसके कारण वह काफी तनाव में थी। पिछले कुछ दिनों से वह पढ़ाई भी ठीक से नहीं कर पा रही थी और परेशान रहने लगी थी।

पुलिस को मौके से किसी प्रकार का सुसाइड नोट नहीं मिला है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। सोमवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। वहीं, छात्रा के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक